तापमान
अधिकतम 35 .5 डिग्री
न्यूनतम 23 .4 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 12 जुलाई 2026

14 छह माह में अपराध के ग्राफ में गिरावट...

14 पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता...

AIT KANINA PHARMACY COLLEGE
Approved by : AICTE & PCI, New Delhi
पॉलिटेक्निक करें नौकरी पाएं
B.PHARM (4 YEARS) D.PHARM (2 YEARS)
2 YEARS COURSE
ADMISSION OPEN
Eligibility : 10+2 Pass (Medical & Non-Medical)
सीटें सीमित
For Session 2026-27
पता : AIT Pharmacy College गाहड़ा रोड, कनीना Mob. : 9992696300, 9466464921

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 9 जुलाई को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने महेंद्रगढ़ के उन्हाणी निवासी रिषभ को गिरफ्तार किया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

अवैध शराब के साथ तीन आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छोप मारकार अवैध शराब बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने वार्ड नं. 4 में रह रहे आनंद नगर निवासी जोगेंद्र को 42 पव्वा शराब के साथ गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने बास रोड निवासी लालसिंह को 44 पव्वा शराब के साथ गिरफ्तार किया है। एक अन्य मामले में रोहड़ाई पुलिस ने खेड़ा आलमपुर के दीपक होटल पर नैनीताल के जलना निवासी दीवान सिंह को 13 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं।

सट्टा खाईवाली करते एक आरोपी दबोचा

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने अजय नगर में सट्टा खाईवाली करने के आरोप में व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कॉलोनी में रहने वाला मामन सार्वजनिक स्थाना पर सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर उसके पास भेज दिया। सट्टे का नंबर लगाते ही पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 2350 रुपये राशि व सट्टा पर्चियां बरामद

हंस नगर कॉलोनी के मकान में ब्लास्ट का मामला, एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार

एक दिन पहले बेटी की अंत्येष्टि दूसरे दिन पिता ने भी तोड़ा दम

मकान में पीएनजी का कनेक्शन भी नहीं था। किचन में रखे एलपीजी के सिलेंडर सेफ थे, आईजीएल कर्मचारियों ने रिपोर्ट को किया खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। हंस नगर में घर के बाहर बैठे पुलिसकर्मी व मौजूद महिलाएं।

गत 5 जुलाई को हंस नगर कॉलोनी के एक मकान में हुए रहस्मय तरीके से ब्लास्ट की गुत्थी सुलझने से पहले ही गंभीर रूप से झुलसी युवती के दम तोड़ने के बाद उसके पिता ने भी जिंदगी की जंग हार ली। एक दिन पहले पैतृक गांव टांकड़ी में बेटी का अंतिम संस्कार हुआ, तो दूसरे दिन पिता का। पुलिस ने रिटायर्ड सैनिक की पत्नी के बयान पर आईजीएल कंपनी के कर्मचारियों पर लापरवाही के आरोप में केस तो दर्ज कर लिया, परंतु अभी भी यह साफ नहीं हो सका है कि ब्लास्ट पीएनजी लीक होने से हुआ था। रिटायर्ड फौजी सतबीर के घर 5 जुलाई को वह, उसकी पत्नी मधु, बेटी तन्नू, मधु की दो साल की भतीजी खुशी और पड़ोसी जयभगवान मौजूद थे। शाम के समय तन्नू कपड़े प्रेस कर रही थी। उसी समय अचानक मकान में धमाका हुआ, जिसमें मकान में मौजूद सभी लोग झुलसकर घायल हो गए थे। मधु धमाके की चपेट में ज्यादा नहीं आई थी, जबकि अन्य सभी गंभीर रूप से झुलस गए थे। उन्हें दिल्ली ट्रॉमा सेंटर ले जाने के बाद दिल्ली सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया था। धमाका इतना जबरदस्त था कि मकान का गेट, शीशे व टाइलें तक टूटकर गिर गए थे। मकान में पीएनजी का कनेक्शन भी नहीं था। किचन में रखे एलपीजी के सिलेंडर सेफ थे। आरंभिक जांच में पुलिस ने मकान में किसी स्रोत से पास में डाली जा रही पीएनजी की लाइन से गैस लीक होने का अनुमान लगाया था, जिसे आईजीएल कंपनी के अधिकारियों ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया था। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने कई बार मकान में जाकर जांच की, लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा। बाद में सामान के टुकड़ों को जांच के लिए एफएसएल भेज दिया, जिसकी रिपोर्ट आनी शेष है।

अभी रिपोर्ट आने का कर रहे इंतजार

अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ब्लास्ट पीएनजी के कारण हुआ था। हालांकि आरंभिक जांच में इसकी आशंका जरूर जताई गई है। अभी तक एफएसएल की रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद ही ब्लास्ट के सही कारणों का पता चल पाएगा।

- सुरेंद्र श्योराण, डीएसपी।

डंपर की टक्कर के बाद कैंटर में लगी आग, सामान हुआ राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर हाइवे पर शनिवार सुबह डंपर की टक्कर लगने के बाद एक कैंटर में आग लग गई। चालक ने गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। फायर बिग्रेड के आग पर काबू पाए जाने तक कैंटर और उसमें भरा सामान जलकर राख हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद डंपर चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। इस दौरान हाइवे पर यातायात भी बाधित रहा।

सुबह के समय परचून का सामान भरी हुए एक कैंटर गाड़ी दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही थी। धारूहेड़ा के निकट तेज रफ्तार डंपर ने कैंटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कैंटर में आग लग गई। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंच गए। लगभग एक घंटे बाद कैंटर में लगी आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपये का सामान जलने का अनुमान लगाया जा रहा है। पुलिस ने कैंटर चालक के बयान पर डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

SOMANY EDUCATIONAL INSTITUTIONS 25+ YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION
* Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy
ADMISSIONS OPEN
COURSES OFFERED
SITM Courses
• B.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• M.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• BBA • BCA • MBA
SCP Courses
• D.Pharma
• B.Pharma
Upto 100% Scholarship
Facilities
• Experienced Faculty
• Modern Infrastructure
• Well Equipped Labs
• Placement Assistance
• Holistic Development
Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26
www.somanyncr.in | www.somanycollegeofpharmacy.in
ADMISSION HELPLINE 9541069998 | 01274-261239 | 9034717734 | 7082539268

मौसम खुलने के बाद बढ़ी उमस, दो दिन तक आसमान के साफ रहने की उम्मीद

- शनिवार सायं बारिश ने कई जगह फसलों को नुकसान पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। निमोठ में खेतों में भरा पानी।

शुक्रवार देर सायं जिले के कई भागों में हुई जबरदस्त बारिश ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है। खेतों में पानी एकत्रित होने से किसानों की फसल खराब हुई है। बारिश के बाद मौसम साफ होते ही भारी उमस का प्रकोप बन गया, जिससे लोगों को दिन भर परेशानी का सामना करना पड़ा। अगले दो दिन तक मौसम साफ रहने की संभावना जताई जा रही है।

शनिवार को सुबह के समय आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर तक आसमान पूरी तरह साफ हो गया। तेज धूप निकलने के बाद हवा में नमी से वातावरण में भारी उमस बन गई। अधिकतम तापमान 1.3 डिग्री की गिरावट के साथ 35.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान भी 3.0 डिग्री गिरकर 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 75 प्रतिशत तक रहा। नमी के कारण तापमान में गिरावट के बावजूद शाम तक उमस ने लोगों को पसीने-पसीने किए रखा। चिपचिपाहट भरी गर्मी से राहत नहीं मिली। इससे पहले शुक्रवार को बारिश के बाद मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया था। मौसम विभाग के अनुसार 13 जुलाई तक आसमान साफ रह सकता है। अगर विक्षोभ सक्रिय होता है, तो ही मौसम में अचानक बदलाव आ सकता है। अगर मौसम साफ बना रहा, तो तापमान में वृद्धि होने से लोगों को एक बार फिर से भारी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान तापमान में भी उछाल आने की संभावना है।

युवक ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर जान दी, दो बहनों का इकलौता भाई था मृतक

रेवाड़ी। खगड़वास में शुक्रवार की रात करीब 26 वर्षीय युवक ने संदिग्ध हालत में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मृतक दो बहनों का इकलौता भाई था। पुलिस के अनुसार सुबह जब वह देर तक उठकर बाहर नहीं आया, तो परिजनों ने उसके कमरे में झांककर देखा। उसका शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। सूचना मिलने के बाद रामपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। गूगन अविवाहित था तथा कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार कमरे की दीवार पर 'पागल प्रेमी' और एक लड़की का नाम लिखा हुआ था, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है।

अतिरिक्त यातायात होने पर यात्रियों की सुविधा के लिए दो जोड़ी ट्रेनों में डिब्बों की अस्थायी बढ़ोतरी

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए 2 जोड़ी रेलसेवाओं में डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि गाड़ी संख्या 22491/22492 जोधपुर-दिल्ली-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 16 जुलाई से 31 जुलाई तक तथा दिल्ली से 17 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 थर्ड एसी व 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी के डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 20471/20472 श्रीगंगानगर-पुरी-श्रीगंगानगर रेलसेवा में श्रीगंगानगर से 12 जुलाई से 26 जुलाई तक एवं पुरी से 15 जुलाई से 29 जुलाई तक 1 द्वितीय थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने राष्ट्रीय पदक विजेताओं को किया सम्मानित

खिलाड़ी की सफलता में प्रशिक्षकों का योगदान : राव

उत्तराखंड के रूडकी में हुई थी 23वीं राष्ट्रीय जूनियर एवं सब जूनियर पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए आरती राव।

पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने अपने निवास रामपुरा हाउस पर आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पैरा पावर लिफ्टिंग खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। 23वीं राष्ट्रीय 18वीं जूनियर एवं द्वितीय सब-जूनियर राष्ट्रीय पैरा पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन 15 से 18 जनवरी तक रुड़की उत्तराखंड में हुआ था। इस प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण, 2 रजत एवं 1 कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं को 25000, रजत पदक विजेताओं को 15000 तथा कांस्य पदक विजेता को 10000 रुपए की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में सुधीर, अशोक, अजय, गीतिका, दीपक, मनीष, प्रदीप जून, सोमन, देवी, खुशबू एवं पायल शामिल थे। इस अवसर पर आरती राव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर कठिन परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष की आवश्यकता होती है। समारोह में चेयरमैन अभिजीत सिंह, एसोसिएशन के संस्थापक गिरिराज सिंह, महासचिव ज्योति कुमार छाबड़ा, कोषाध्यक्ष पवन अधाना, कोच धर्मेंद्र एवं सतबीरे अर्जुन अवार्डी यशपाल सोलंकी तथा आरती सोलंकी भी रही।

हरिभूमि एवं जनता TV
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हरियाणवी म्यूज़िक अवार्ड 2026
हरियाणवी संगीत का गौरव
हरियाणवी संस्कृति, हमारी पहचान
1 अगस्त 2026 शनिवार
जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, मुरथल रोड, सोनीपत (हरियाणा)
नॉमिनेशन का आज अंतिम दिन
Category
➤ Haryanvi Rapper of the Year (Male & Female)
➤ Haryanvi Ragni Singer of the Year (Ghada-Bhenjo) (Male & Female)
➤ Haryanvi Ragni Singer of the Year (Pakka Saaz) (Male & Female)
➤ Haryanvi Desi Pop Singer of the Year (Male & Female)
➤ Haryanvi Devotional Singer of the Year (Male & Female)
➤ Haryanvi Lyricist of the Year
➤ Haryanvi Music Composer of the Year
➤ Haryanvi Master/Mixer of the Year
➤ Haryanvi Most Melodious Song of the Year
Only for songs released from 1 January 2025 to 31 December 2025
नॉमिनेशन के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें
or visit our website at : www.haribhoomi.com
Last Date : 12 July 2026
नॉमिनेशन के लिए पात्रता
• केवल हरियाणवी बोली में जारी किए गए गीत ही नामांकन हेतु मान्य होंगे।
• गीत/संगीत कृति का आधिकारिक रिलीज वर्ष 2025 (1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025) के बीच होना अनिवार्य है।
• नामांकन संबंधित श्रेणियों के अनुसार गायक/गायिका, रैपर, गीतकार, संगीतकार, म्यूजिक मिक्सर एवं अन्य पात्र कलाकारों द्वारा किया जा सकता है।
• अगर आप एक से ज्यादा कैटेगरी के लिए खुद को नॉमिनेट करना चाहते हैं, तो आपको हर कैटेगरी के लिए अलग-अलग नॉमिनेशन फॉर्म भरना होगा।
• नॉमिनेशन फॉर्म केवल नॉमिनी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा ही भरा जा सकता है।
• कृपया सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें। आयोजन समिति आवश्यक होने पर सभी प्रविष्टियों एवं दस्तावेजों का सत्यापन करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। अपूर्ण अथवा गलत जानकारी वाले आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं।
• सभी नॉमिनेशन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
• किसी भी कैटेगिरी में पांच से कम प्रतिभागी/नॉमिनी रहने पर उस कैटेगिरी को रद्द कर दिया जाएगा।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 7404443155 advthbtv@gmail.com

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।
शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

शहर में अनगिनत हैं अवैध भवन, जो अनअप्रूव्ड या नक्शा नहीं है पास, नियमों को दरकिनार कर तैयार हो रही बिल्डिंगें

5 जगह सील, नियमों से परे भेजे नोटिस, 22 भवन पर भी कार्रवाई करने की तैयारी

■ अधिकारियों की इस कार्रवाई से राजनीतिक अप्रोचियों की बढ़ी टेंशन, पार्षद ने कार्रवाई को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नगर परिषद इन दिनों एक्शन मोड़ में है। शहर में नियमों के विरूद्ध बनाए गए रिहायशी व गैर रिहायशी भवनों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। इसी के तहत पहले ऐसे चिन्हित कर 27 भवन मालिकों को नोटिस भेजे गए। कोई सकारात्मक व नियमों के मुताबिक जवाब नहीं मिलने पर तीन दिन पहले शहर में पांच जगह दुकान भवन को सील किया गया है। अब बाकी अन्य 22 जगह पर कार्रवाई की तैयारी है।

वहीं शहर में अन्य ऐसी जगह को चिन्हित कर नोटिस भेजने की तैयारी भी चल रही है। नगर परिषद प्रशासन की इस कार्रवाई को आमजन ने तो बेहतर बताया है ही, साथ ही पार्षद भी अब खुलकर सामने आए है और नियमों को नहीं मानने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कह रहे है।

इन 5 जगह की सीलिंग कार्रवाई

नगर परिषद ने यह कार्रवाई एक्सईएन राकेश पूनिया को ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किया। उनकी अगुवाई में करीब पांच व्यवसायिक व रिहायशी भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। बस स्टैंड के सामने एक व्यवसायिक भवन में एक निजी अस्पताल की ओर से चलाए जा रहे मरीज वार्ड को तत्काल प्रभाव से जगह खाली करने के निर्देश दिए गए। यहां एक निजी अस्पताल द्वारा मरीजों के वार्ड और बेसमेंट में लैब संचालित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। भवन में मरीज भर्ती होने की जानकारी मिलने पर अधिकारियों ने अस्पताल प्रबंधन को दो घंटे में भवन खाली करने के निर्देश दिए। समय सीमा के बाद शाम को दोबारा टीम पहुंची तो मरीजों को शिफ्ट नहीं किया गया था। इस पर नगर परिषद ने भवन को सील कर दिया। वहीं मरीजों को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए एक दिन का समय दिया। इस दौरान नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी जोगेंद्र सिंह कालीरामणा व बिल्डिंग इंस्पेक्टर प्रवीण खटक की भी उपस्थिति रही। इसके अलावा नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम के पास निर्माणाधीन मकान, दुकान व निजामपुर रोड पर बनाई गई एक दुकान के मालिक को भी नोटिस भेजकर नियमानुसार अनुमति लेने की हिदायत दी गई थी। नोटिस के बाद नगर परिषद टीम ने इन भवनों को सील किया।

नियम नहीं मानने वालों पर हो कार्रवाईः पार्षद

नियमों को दरकिनार कर शहर में बन रही इमारतों पर नगर परिषद की कार्रवाई सराहनी कार्य है। जहां नगर परिषद की जमीन पर कब्जे है, उन्हें छुड़वाया जाए। अतिक्रमण पर पूरी तरह से लगाम हो। नियमों को नहीं मानकर भवन बनाने वाले मालिकों पर निरंतर कार्रवाई होनी चाहिए। इस कार्य के लिए वह ईओ जोगेंद्र सिंह कालीरामणा को धन्यवाद देते है।

6 पहले भेजे गए नोटिस, अभी और किए जा रहे चिन्हित

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी जोगेंद्र सिंह कालीरामणा ने बताया कि नगर परिषद की ओर से पिछले कुछ दिनों से शहर में ऐसे भवनों को चिन्हित किया जा रहा है जिनके द्वारा भवन निर्माण के दौरान नियमानुसार परिषद से दस्तावेजी अनुमति नहीं ली गई है। ऐसे भवन मालिकों को परिषद की ओर से नोटिस दिए जा रहे हैं। इसके बाद उक्त भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। अभी पांच जगह सीलिंग का कार्य पूरा किया है और यह प्रक्रिया अभी निरंतर जारी रहेगी। शहर में जहां नियमों के विरुद्ध निर्माण किए जा रहे हैं उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे।

डिलीवरी के दौरान महिला को दिया रक्त

नारनौल। आपके पास एक ही जीवन है। इसे बहाने बनाकर व्यर्थ न गंवाएं, बल्कि अच्छे कर्मों से इसे सार्थक बनाएं। इस प्रेरक संदेश को साकार करते हुए युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की इमरजेंसी रक्तदान मुहिम के तहत संस्था के रक्तवीर बजरंग गुर्जर ने मानवता की मिसाल पेश की। संस्था को सूचना मिली कि डेरोली जाट निवासी विजयपाल की पत्नी आशा को डिलीवरी के दौरान एबी पॉजिटिव रक्त की तत्काल आवश्यकता है। सूचना मिलते ही बजरंग गुर्जर बिना समय गंवाए नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक पहुंचे और स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद महिला की मदद की। समय पर मिले रक्त से उपचार में सहायता मिली और परिजनों ने रक्तदाता व संस्था का आभार व्यक्त किया। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से इमरजेंसी रक्तदान अभियान संचालित कर रहे है।

चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी में एक सप्ताह से नहीं पहुंचा पेयजल, लोग टैंकरों के सहारे

तुगलकी फरमान: एक कॉलोनी को राहत देने के प्रयास में दूसरी की पेयजल सप्लाई कर दी बंद

» सीएल फार्म कॉलोनी में घटा पानी का प्रेशर तो विभाग ने नई चार इंच की लाइन पर ही लगाया कैप, अब वाल्व लगाकर समाधान का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक जेई के तुगलकी फरमान ने रेवाड़ी रोड स्थित दो कॉलोनियों के सैकड़ों परिवारों को पेयजल संकट में धकेल दिया है। कैलाश नगर की चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी में घर-घर पानी पहुंचाने के लिए हाल ही में बिछाई गई नई चार इंच की पाइप लाइन को मुख्य नौ इंच की लाइन से जोड़ने के बजाय छह इंच की लाइन से जोड़ दिया गया। इसी छह इंच की लाइन से पहले से सीएल फार्म के समीप बसी कॉलोनी को पानी की आपूर्ति हो रही थी।

नई लाइन जुड़ते ही दोनों कॉलोनियों में पानी का दबाव घट गया और विवाद बढ़ने पर विभाग ने चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी की लाइन पर ही कैप लगाकर पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी। नतीजतन यहां के लोग पिछले एक सप्ताह से पीने के पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी में लंबे समय से नई पाइप लाइन की मांग की जा रही थी। विभाग ने हाल ही में चार इंच की लाइन बिछाकर घरों तक कनेक्शन तो दे दिए, लेकिन उसे छोटी लाइन से जोड़ दिया। कॉलोनीवासियों का कहना है कि उन्होंने शुरुआत में ही अधिकारियों और कर्मचारियों को सुझाव दिया था कि नई लाइन को नौ इंच की पाइप लाइन से जोड़ा जाए, ताकि दोनों क्षेत्रों में पानी का दबाव प्रभावित न हो, लेकिन उनकी बात मानने की बजाए कर्मचारियों द्वारा मनमानी की गई।

नई लाइन शुरू होने के बाद सीएल फार्म कॉलोनी में पानी की आपूर्ति लगभग ठप हो गई। शुरुआत में विभाग ने दोनों कॉलोनियों में अलग-अलग समय पर पानी देने का प्रयोग किया, लेकिन जब वाटर टैंकरों का पानी खत्म होने लगा और राशनिंग की जाने लगी, तब यह व्यवस्था फेल हो गई। पानी की उपलब्धता कम होने का हवाला देते हुए सप्लाई दो दिन में एकबार सुबह पांच से साढ़े छह बजे तक सीमित कर दी गई। इससे दोनों कॉलोनियों के लोग पर्याप्त पानी से वंचित रहे।

जब करीब एक सप्ताह तक परेशानी झेलने के बाद सीएल फार्म कॉलोनी की महिलाओं का धैर्य टूट गया। वे खाली मटके लेकर नजदीक ही बने वाटर बूस्टिंग स्टेशन पहुंचीं और कर्मचारियों के सामने मटका फोड़कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद विभाग ने समस्या का तकनीकी समाधान निकालने के बजाय चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी की चार इंच की लाइन पर कैप लगाकर उसकी सप्लाई ही बंद कर दी। इसके बाद से इस कॉलोनी में पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची है और लोग निजी टैंकरों से पानी मंगाने को मजबूर हैं।

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर बना वाटर बूस्टिंग स्टेशन। फोटो : हरिभूमि

यह बोले परेशान लोग

चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी निवासी सूबेदार बलबीर सिंह यादव, रामौतार सैनी, कुलदीप सिंह, ओमप्रकाश, कैलाश सैनी, अनीता, पूजा और निशा ने बताया कि नई लाइन बिछने के बाद कुछ दिन तक अनियमित रूप से पानी मिला, लेकिन पिछले एक सप्ताह से नलों में एक बूंद भी पानी नहीं आया। उनका आरोप है कि जेई संजय ने बिना किसी सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था के उनकी लाइन बंद कर दी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो कॉलोनीवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

वाल्व लगाकर करेंगे समाधान

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई संजय कुमार ने बताया कि नई चार इंच की लाइन जुड़ने के बाद सीएल फार्म कॉलोनी की पानी आपूर्ति प्रभावित हो गई थी। इसी कारण फिलहाल नई लाइन को बंद किया गया है। जल्द ही इस लाइन पर नया वाल्व लगाया जाएगा, जिसके बाद दोनों कॉलोनियों में बारी-बारी से पानी की आपूर्ति की जाएगी, ताकि किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट न रहे।

अंडरपास की समस्याओं को लेकर डीआरएम को सौंपेंगे ज्ञापन

मंडी अटेली। अटेली मण्डी अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति ने अंडरपास में लाइटें लगाने सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग तेज कर दी है। समिति के संचालक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब ने बताया कि संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधिमंडल 13 जुलाई को जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के डीआरएम एवं डीएफसीसीआईएल के सीजेएम को ज्ञापन सौंपेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्वयं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब करेंगे। जबकि इसमें संघर्ष समिति के सचिव मास्टर सुबे सिंह और रिटायर्ड कैप्टन कृष्ण कुमार खरब सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। डॉ. खरब ने कहा कि अटेली मण्डी अंडरपास में लाइटों की व्यवस्था नहीं होने के कारण वहां हमेशा अंधेरा बना रहता है जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा अंधेरे के कारण आमजन के साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल केवल लाइटों की व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंडरपास से जुड़ी अन्य लंबित समस्याओं और विसंगतियों के समाधान की मांग भी अधिकारियों के समक्ष रखेगा।

धोखे से हजारों रुपये का सामान ले जाने वाला आरोपी रिमांड पर

रेवाड़ी। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने जून माह में एक दुकानदार का हजारों रुपये का सामान धोखे से ले जाने के मामले में एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लेने के बाद दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस शिकायत में राजस्थान के गांव रामनगर सरन पनजी निवासी चूनाराम ने बताया था कि उसकी महेश्वरी गांव में बिजली व हार्डवेयर के सामान की दुकान है। उसकी दुकान पर 10 जून को एक अनजान व्यक्ति आया था। उसने तारों के अलग-अलग किस्म के 7 बंडल खरीदे थे, जिनकी कीमत 46422 रुपये थी। उसने पक्का बिल बनाकर उसे दे दिया। उस व्यक्ति ने उसे अपने मोबाइल फोन का स्क्रीन शॉट दिखाकर कहा कि उसने पेमेंट कर दी है। उसने अपने मोबाइल में चेक किया तो पेमेंट नहीं आई थी। इसी दौरान दूसरा ग्राहक आने के कारण वह उसे ऊपर सामान दिखाने के लिए चला गया। अनजान व्यक्ति उस सामान के साथ-साथ और बंडल बैग में डालकर फरार हो गया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले गुरूग्राम के गाड़ौली में रह रहे मूल रूप से यूपी के मलवा पहाड़पुर निवासी सौरभ को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार करने के बाद दो दिन के रिमांड पर लिया है।

भौमवती अमावस्या का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व सामान्य अमावस्या से कई गुना ज्यादा : दलीप शास्त्री

■ भौम भगवान मंगल का ही एक नाम है। जब अमावस्या तिथि मंगलवार के संयोग से जुड़ती है, तो यह जातक के जीवन से कर्ज व संकट को करती है दूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आषाढ़ मास की अमावस्या 14 जुलाई को मनाई जाएगी। सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व होता है। मंगलवार के दिन पड़ने के कारण इस बार यह और भी अधिक फलदायी और पवित्र हो गई है। मंगलवार को आने वाली अमावस्या को भौमवती अमावस्या कहा जाता है, जिसका धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व सामान्य अमावस्या से कई गुना ज्यादा माना गया है। ज्योतिषाचार्य दलीप शास्त्री का कहना है कि भौम भगवान मंगल का ही एक नाम है। जब अमावस्या तिथि मंगलवार के संयोग से जुड़ती है, तो यह जातक के जीवन से कर्ज, संकट और मंगल दोषों को दूर करने का महायोग बनाती है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान और पूजा-पाठ करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। उनका कहना है कि आषाढ़ अमावस्या पर पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंड दान करने की सनातन परंपरा है। इस दिन पितरों के निमित्त गीता पाठ, दान और जल तर्पण करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। भूखे लोगों को भोजन कराना, तिल, वस्त्र और अन्न का दान करना सुख-समृद्धि लेकर आता है। उनका कहना है कि भौमवती अमावस्या के दिन सुबह सूर्योदय के समय स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य देने और पीपल के वृक्ष की पूजा करने से जीवन के सभी कष्टों का नाश होता है।

आषाढ माह के गुप्त नवरात्र 15 से होंगे शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सनातन धर्म में शक्ति उपासना का विशेष पर्व आषाढ़ माह के गुप्त नवरात्र आगामी 15 जुलाई से शुरू हो रहे हैं, जोकि 23 जुलाई चलेंगे। 9 दिनों तक मां दुर्गा के 9 स्वरूपों और दस महाविद्याओं की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। सामान्य नवरात्र की तुलना में गुप्त नवरात्र में तंत्र-मंत्र, साधना और गुप्त रूप से की जाने वाली पूजा का विशेष महत्व माना गया है। ज्योतिषाचार्य दलीप शास्त्री का कहना है कि वर्ष में चार 4 नवरात्र चैत्र और शारदीय तथा माघ और आषाढ़ में आते हैं। आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्र मुख्य रूप से साधकों, तांत्रिकों और अघोरियों के लिए तंत्र साधना और सिद्धि प्राप्त करने का विशेष समय होती है। हालांकि, गृहस्थ जीवन जीने वाले आम लोग भी इस दौरान माता की सरल भक्ति कर अपनी मनोकामनाएं पूरी कर सकते हैं। उनका कहना है कि इन 9 दिनों में मां दुर्गा के स्वरूपों के साथ-साथ दस महाविद्याओं में मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की साधना की जाती है।

एबीवीपी नारनौल नगर इकाई की घोषणा, सुभाष शर्मा बने नगर मंत्री

नारनौल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला संयोजक कमल रोहिल्ला ने बताया कि कार्यक्रम में जिला प्रमुख डॉ. अविनाश यादव के मार्गदर्शन में नारनौल नगर इकाई की औपचारिक घोषणा की गई। जिसमें डॉ. सुरेंद्र कुमार को नगर अध्यक्ष व सुभाष शर्मा को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया। नगर अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र कुमार ने कहा कि एबीवीपी एक ऐसा संगठन है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इकाई को संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाने के लिए कल्पना शर्मा, खुशी व कुमकुम को सह मंत्री, मोनिका को कार्यालय मंत्री, अनिकेत को महाविद्यालय संयोजक, पारुल को सहसंयोजक, प्रिया को विद्यालय संयोजक की जिम्मेदारी दी।

नशीला पदार्थ बेचने का आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। थाना रोहड़ाई पुलिस ने नशीला पदार्थ गांजा बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि करावरा निवासी सचिन नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करता है। वह गांव के पास ही नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद आरोपी को मौके पर जाकर काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से लगभग 43 ग्राम गांजा बरामद हुआ। उसे मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

कोसली क्षेत्र के गांव से विवाहिता लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव से एक विवाहिता बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। विवाहिता के पति ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 9 वर्ष पूर्व हुई थी। उनके एक सात वर्ष का लड़का भी है। वह वीरवार को प्राइवेट कंपनी में अपनी ड्यूटी पर गया हुआ था। दोपहर में उसकी मां व भाई मंदिर चले गए थे। घर पर बच्चे, उनकी पत्नी, पत्नी की बहन तथा उनके पिता थे। शाम को जब उसका भाई तथा मां मंदिर से घर वापस आए तो उसकी पत्नी घर पर नहीं थी। उन्होंने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

अवैध देशी कट्टे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला राजीव नगर निवासी अमित के रूप में हुई है। रात 10 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली थी कि अमित के पास अवैध हथियार है। जोकि वह अभी राजीव नगर के पास स्थित गंदे नाले के पास खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर 1 अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रेलवे स्टेशन पर 34.130 किलोग्राम चूरापोस्त के साथ दो आरोपी काबू

रेवाड़ी। जीआरपी की गिरफ्त में आरोपी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 34 किलो 130 ग्राम चूरा पोस्त बरामद किया है। आरोपियों की पहचान जसनदीप उर्फ जग्गू तथा तख्तदीप निवासी वार्ड नंबर-10 गिल्लावाड़ा कुआं तलवंडी साबो के रूप में हुई। जीआरपी थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर तलाशी अभियान के दौरान आरपीएफ एसआई रवि कुमार, एचसी गौरीशंकर, जीआरपी चौकी इंचार्ज विक्रम, एएसआई रवि व सिपाही नवीन ने दो यात्रियों के बैग की तलाशी ली तो उसमें चूरा पोस्त बरामद हुआ।

पुलिस ने जसनदीप के कब्जे से 16 किलो 430 ग्राम तथा तख्तदीप के कब्जे से 17 किलो 700 ग्राम चूरा पोस्त बरामद किया। एसएचओ कृष्ण कुमार के अनुसार बरामद चूरा पोस्त की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 4.5 लाख रुपये है। जीआरपी ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कोर्ट में पेश कर दिया है।

जनसभा ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने तुर्कियावास में की जनसभा

किसान विरोधी नीतियां लाकर पूंजीपतियों को मालामाल कर रही बीजेपी सरकार: सत्यवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की ओर से शनिवार को गांव तुर्कियावास में जनसभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर सगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संयुक्त किसान मोर्चा के वरिष्ठ किसान नेता सत्यवान ने कहा कि जन जीवन के ज्वलंत मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी के विरोध में, मनरेगा स्कीम की बहाली के लिए, किसानों को उनकी फसल लागत से डेढ़ गुना मूल्य देने, किसान मजदूरों को कर्ज मुक्त करने, किसान विरोधी अमेरिका भारत डील, बिजली के निजीकरण व स्मार्ट मीटर, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, सीएनजी व खाद तथा बीज के बढ़ाए गए रेट के विरोध में आगामी दिनों में प्रदेश व्यापी आंदोलन गठित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार लगातार किसान विरोधी नीतियां लाकर पूजीपतियों व बड़ी बड़ी कंपनियों को माला माल कर रही है, जिसके चलते किसान की आर्थिक हालत खराब होती जा रही है। युवाओं को रोजगार और किसान की फसल के वाजिब दाम नहीं मिल रहे है। प्राकृतिक आपदा होने पर फसल खराबे का मुआवजा तक नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका समझौते से किसान का कृषि क्षेत्र पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा। सभी खाद्य पदार्थों पर बड़ी बड़ी पूंजीपती कंपनियों का कब्जा हो जाएगा, जिसके खिलाफ किसान मजदूरों को संगठित आंदोलन करना होगा। इस अवसर पर एआईयूटीयूसी के राज्य प्रधान कामरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि मंहगाई के दौरान गरीब लोगो का जीना मुश्किल हो रहा है। रसोई सहित शिक्षा व इलाज महंगा हो गया है। सरकार ने सभी सरकारी महकमों को प्राइवेट कंपनियों के फायदे के लिए बेच दिया। मनरेगा स्कीम को संकुचित कर दिया। संगठन के जिला प्रधान रामकुमार निमोठ ने कहा कि ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर सगठन की ओर से किसान मजदूरों की मांगों को लेकर गांव-गांव में जन जागृति अभियान चलाया जा रहा है। शेरसिंह मीरपुर ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी एकता व संगठन को मजबूत करें।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को संबोधित करते किसान नेता। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

पूर्व सरपंच प्रतिनिधि बाबू राजेंद्र कुमार, सुरेश चन्द, सुमेर सिंह, करतार सिंह खटावली, संदीप कुमार, गजराज, कृष्ण, राजेश कुमार, सुनीता व सुमन सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

किसानों को दुग्ध उत्पादन के आधुनिक तरीकों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जय किसान आंदोलन टीम की ओर से शनिवार को जाटूसाना ब्लॉक के गांव मूंदड़ा में संगठन विस्तार एवं किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगमाल सिंह ने की। इस मौके पर एडवोकेट कुसुम यादव ने किसानों को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी। चौधरी सतपाल ने किसानों को नकली खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाइयों से सावधान रहने का आह्वान किया तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य की महत्ता और किसानों के अधिकारों के बारे में जानकारी दी। मास्टर धर्म सिंह ने किसानों को अमृत कड़ील अभियान के बारे में जागरूक करते हुए प्राकृतिक एवं टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने का संदेश दिया। कार्यक्रम में संगठन विस्तार पर भी चर्चा की गई तथा अधिक से अधिक किसानों को जय किसान आंदोलन से जुड़कर किसानों के हितों की आवाज मजबूत करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र, पवन कुमार, जयप्रकाश, पृथ्वी सिंह, अभय सिंह व बाबूलाल सहित अनेक किसान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रेवाड़ी। किसानों को संबोधित करते हुए वक्ता।

महिला संबंधी अपराधों में 33.8 प्रतिशत की आई कमी, छेड़छाड़ मामलों में 60% गिरावट

छह माह में अपराध के ग्राफ में गिरावट पुलिस ने जघन्य मामलों पर कसा शिकंजा

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा बोले, जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अपराधों पर अंकुश के लिए गश्त करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

पुलिस की सुदृढ़ रणनीतिक योजना और मुस्तैदी से जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। गत वर्ष 2025 की समान अवधि 1 जनवरी से 30 जून की तुलना में वर्ष 2026 के छह महीनों में जघन्य अपराधों, महिला अपराधों और संपत्ति संबंधी अपराधों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। समान अवधि के तुलनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पुलिस की अपराधियों के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति धरातल पर नजर आ रही है।

जनवरी से जून माह के छह महीनों में महिला संबंधी अपराधों में 33.8 प्रतिशत की कमी आई है, जिसमें छेड़छाड़ से जुड़े मामलों में 60 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। शादी का झांसा देकर या जबरन किए जाने वाले महिला अपहरण एवं अगवा करने के मामलों में 11.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। पुलिस की ओर से चोरी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले गिरोहों पर नकेल कसने के कारण इस श्रेणी के मामलों में 43 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। पुलिस चेकिंग और नाकाबंदी के चलते वाहन चोरी के मामलों में 44.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वही पुलिस चौकसी बढ़ने से स्नैचिंग के मामलों में 45.5 प्रतिशत की कमी आई है। इनके अलावा अन्य साधारण चोरी के मामलों में 33.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। पुलिस के खौफ से ब्लैकमेलिंग और फिरौती के मामलों में 33.3 प्रतिशत की कमी आई है। वही लूट व डकैती के मामलों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 30 जून तक 100 प्रतिशत की कमी आई। हत्या के मामलों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 58.3 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। वही आपसी रंजिश और मारपीट के गंभीर मामलों में 23.6 प्रतिशत, मामूली विवादों में होने वाली मारपीट के मामलों में भी 59.3 प्रतिशत तथा धोखाधड़ी के मामलों में 39.2 प्रतिशत तथा जालसाजी के मामलों में 52.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। स्थानीय एवं विशेष अधिनियमः अवैध हथियार, नशा तस्करी और अवैध गतिविधियों के खिलाफ की गई कड़ी घेराबंदी के परिणाम स्वरूप लोकल एंड स्पेशल लॉ के तहत अपराधों में 10.3 प्रतिशत की कमी आई है। इसमें मुख्य रूप से हरियाणा गोवंश संरक्षण अधिनियम के मामलों में 100 प्रतिशत की गिरावट आई है।

नागरिक को सुरक्षित माहौल प्रदान करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताः एसपी

जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना और प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित माहौल प्रदान करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध के ग्राफ को गिराना ही नहीं, बल्कि आमजन के मन में पुलिस के प्रति अटूट विश्वास और अपराधियों के मन में कानून का खौफ पैदा करना है। भविष्य में भी अपराधियों, नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस का कड़ा रुख जारी रहेगा। आमजन किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराधी की सूचना तुरंत पुलिस को दें। -हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी रेवाड़ी।

खबर संक्षेप

भाजपा सरकार की भेदभावपूर्ण नीतियों से देश के सभी वर्गों के लोग दुखीः शर्मा

कुंड। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डोली शर्मा ने शनिवार को गांव बासदुदा पहुंचकर बाबा भैरू के दर्शन किए। डोली शर्मा ने समाजसेवी योगेश बासदुदा के घर पहुंचकर उनकी माता भरपाई देवी के निधन पर शोक भी जताया। इस मौके पर डोली शर्मा ने कहा भाजपा सरकार की नीतियों से देश के सभी वर्गों के लोग दुखी है। देश में रोजना नई-नई घटनाएं घट रही है और सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि जब प्रभु श्री राम के मंदिर में ही चोरी हो जाए तो इससे बड़ा पाप कोई नहीं हो सकता। विडंबना तो ये है कि इतनी बड़ी घटना घट गई पर सरकार अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। इस मौके पर अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

विदेश से डॉक्टर बनकर लौटी पूर्व छात्रा कोमल का सनराइज स्कूल में हुआ सम्मान

रेवाड़ी। सनराइज सीनियर सैकेंडरी स्कूल टहना मस्तापुर में विद्यालय की पूर्व छात्रा डा. कोमल शर्मा का विदेश से एमबीबीएस की शिक्षा पूर्ण कर एफएमजीई उत्तीर्ण करने पर सम्मान किया गया। विद्यालय परिवार ने डा. कोमल शर्मा व उनके पिता को स्मृति-चिह्न भेंट किए। डा. कोमल ने यूक्रेन एवं रूस से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। डा. कोमल की सफलता उनके संघर्ष, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम का परिणाम है। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक जय किशन यादव ने कहा कि डा. कोमल की उपलब्धि केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि स्कूल परिवार और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिस्थितियां कभी भी प्रतिभा और मेहनत के मार्ग में बाधा नहीं बन सकतीं। उनकी सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। डा. कोमल शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों के सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद को दिया है।

जिला कारागार में हुनर इनिशिएटिव के तहत बंदियों को दिया कैंडल मेकिंग प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कर्मसेतु फाउंडेशन की ओर से हुनर इनिशिएटिव कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कारागार में आयोजित 14 दिवसीय व्यावसायिक कैंडल मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ। संस्था के निदेशक सुरेंद्र सिंह ने बताया की इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बंदियों को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना तथा समाज की मुख्यधारा से पुनः जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराना था। सुप्रिटेंडेंट रेशम सिंह ने बताया की प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार की सजावटी, सुगंधित, फ्लोटिंग, जैल तथा उपयोगी मोमबत्तियों के निर्माण की जानकारी दी गई।

पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकताः लक्ष्मण

- अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, एमएमओ और अंसल सिटी आरडब्ल्यूए ने लगाए 250 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद विधायक, डॉक्टर व अंसल सिटी के लोग।

पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के लिए शनिवार को अंसल टाउन परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन और अंसल सिटी आरडब्ल्यूए ने योगदान दिया। इस मौके पर विभिन्न प्रजातियों के 250 पौधे अंसल सिटी के पार्कों में रोपित किए गए। कार्यक्रम में विधायक लक्ष्मण यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष डा. आरबी यादव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत और नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन जैसे संगठनों का समाज को एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य देने की दिशा में यह सराहनीय कदम है।

डा. आरबी यादव ने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी निवासियों से आह्वान किया कि वे न केवल पौधे लगाएं, बल्कि समय-समय पर पानी देकर और उनकी देखभाल करके उन्हें एक बड़े वृक्ष के रूप में विकसित करने का संकल्प भी लें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विपिन धींगरा, कृष्ण कुमार, दिनेश कुमार, दीपेश, प्रशांत, राजेश, डीपी यादव, विजय शर्मा, देवेंद्र, अशोक यादव, डा. पीसी सिंघला, डा. कंवर सिंह, डा. आत्मप्रकाश, डा. सुप्रतीक्ष, डा. सुनील यादव व विक्रांत सहित अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सदस्य, नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन से जुड़े चिकित्सक व अंसल सिटी आरडब्ल्यूए के सदस्य मौजूद थे।

भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों की स्थापना 13 को, धार्मिक अनुष्ठान शुरू

रेवाड़ी। शहर में भगवान शिव के श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक और आस्था से जुड़ा आयोजन होने जा रहा है। रेलवे कॉलोनी अजय नगर स्थित लोकेश्वर महादेव मंदिर में 13 जुलाई को पहली बार वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों की स्थापना की जाएगी। धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर में अनुष्ठान शुरू कर दिए गए है। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आयोजन की सबसे विशेष बात यह है कि सभी 12 ज्योतिर्लिंगों की स्थापना देश के विभिन्न ज्योतिर्लिंगों से लाई गई पवित्र मिट्टी से की जाएगी। श्रद्धालु एक ही स्थान पर भगवान शिव के सभी ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर सकेंगे।

युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखें व पुलिस के अभियान में सहयोग करेंः जितेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जानकारी देते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

जिला पुलिस के नशा मुक्ति और समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को गांव बीकानेर व गंगायचा अहीर का दौरा कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इस मौके पर ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव व ट्रैफिक नियमों की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम से एएसआई जितेन्द्र कुमार ने कहा कि सभी युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखे और पुलिस के अभियान में सहयोग करें। गांव या आसपास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने कहा कि नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहकर किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा न करें।

संयुक्त परिवार में रहना ही मूल संस्कृतिः अग्रवाल

- मानव भौतिकवाद के चक्कर में जड़ों से लगा कटने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

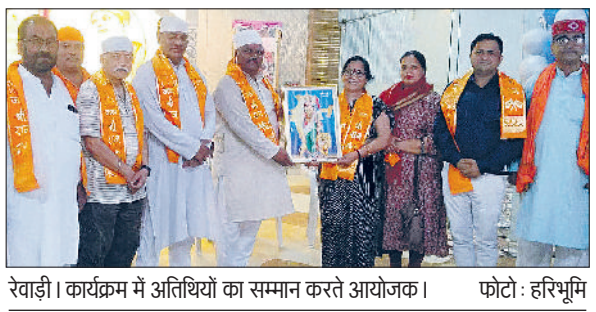

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से शनिवार को आशियाना वृद्धाश्रम झज्जर चौक पर 'आओ फिर से चले सनातन की ओर' आध्यात्मिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सीए नितिन अग्रवाल, आशियाना वृद्धाश्रम के अध्यक्ष दिनेश राजपाल व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि आज का मानव भौतिकवाद की अंधी दौड़ में इतना आगे निकल गया है कि वह अपनी मूल संस्कृति की जड़ों से कटने लगा है। हमारे सनातन में संयुक्त परिवार में रहना ही मूल संस्कृति की भावना है। सभी बड़ों का सम्मान करें और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारे। इनसे ही स्वस्थ व सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा। पूर्व नगर परिषद प्रधान सरोज भारद्वाज, भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज व शिक्षाविद गीता देवी ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति भगवती सीता व सती सावित्री के महान चरित्र को नमन करती है। हमारी संस्कृति लिव इन रिलेशनशिप जैसी बुराइयों का कभी समर्थन नहीं करती है। श्रीराम युवा शाखा से सीए जतिन सैनी, श्योलाल, प्रधान अरुण गुप्ता, हेमंत ग्रोवर, आदर्श अरोड़ा व विजय शर्मा को उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की बैठक में अनेक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

रेवाड़ी। माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की बैठक शनिवार को आजाद नगर स्थित संस्था कार्यालय में प्रधान बुधराम पंवार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संस्था की ओर से अनेक प्रस्ताव पारित किए गए। प्रेस सचिव बहादुर सिंह ने बताया कि पिछली बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार संस्था का आंतरिक ऑडिट कराया गया। संस्था की ओर से ऑडिटर नियुक्त किए गए, जिनमें एचएस तोबड़िया सेवानिवृत्त आंतरिक वरिष्ठ ऑडिटर पीएनबी, आरके बजारिया सेवानिवृत्त वरिष्ठ ऑडिटर पीएनबी, भूप सिंह सेवानिवृत्त वरिष्ठ ऑडिटर पीएनबी तथा अभे सिंह डहीनवाल सेवानिवृत्त डायरेक्टर हरियाणा स्टेट ऑडिट विभाग ने संस्था के शुरूआत से लेकर 30 जून तक की वित्तीय तथा गैर-वित्तीय गतिविधियों की ऑडिट की। बैठक में संस्था के सदस्यों के समक्ष ऑडिट रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें किसी भी प्रकार की कमी या अनियमित्ता नहीं पाई गई। इसके अलावा बैठक में अन्य मदों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि लाईब्रेरी में अधिक से अधिक बच्चे पढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

सीआईए ने चेक बाउंस के मामले में दो पीओ आरोपी किए गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए ने अदालत की ओर से उद्घोषित दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दिनेश शर्मा व दीपक गौसाईं निवासी नवीन शाहदरा कॉलोनी दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है। एएसआई संजय कुमार ने बताया कि आरोपी दिनेश शर्मा व दीपक गौसाईं काफी दिनों से चेक बाउंस के एक मामले में अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। जिस पर अदालत ने उन्हें पीओ घोषित किया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना मॉडल टाउन में अलग से अभियोग भी दर्ज किया था। सीआईए ने शुक्रवार को दोनों पीओ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कार्यक्रम में 20 से अधिक पौधे किए वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एमडीडी ऑफ इंडिया व शक्ति वाहिनी टीम ने शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ मिलकर मुसेपुर, बेरली खुर्द, बिहारीपुर, ढोकिया व हालुहेड़ा गांवों में पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। सीजेएम डा. रेनू सोलखे के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में टीम ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सरपंचों और ग्रामीणों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। सभी को पेड़ों के महत्व के बारे में बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए सभी को मिलकर पेड़ों की रक्षा करनी चाहिए और जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। कार्यक्रम में 20 से अधिक फलदार व छायादार पौधे भी

एमडीडी ऑफ इंडिया व शक्ति वाहिनी टीम ने विभिन्न गांवों में किया पौधरोपण

वितरित किए गए। इस मौके पर अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 तक करें आवेदन

रेवाड़ी। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से ये पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हो। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश के प्रतिभाशाली एवं प्रेरणादायी बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने की एक प्रतिष्ठित पहल है। इस पुरस्कार का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले बच्चों को पहचान प्रदान करना तथा अन्य बच्चों को भी प्रेरित करना है। उन्होंने जिले के सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों से आह्वान किया है कि वे अपने क्षेत्र के प्रतिभाशाली एवं योग्य बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन समय पर करें। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने बताया कि 5 वर्ष से अधिक तथा 18 वर्ष से कम आयु के भारतीय नागरिक बच्चे, जो भारत में निवास कर रहे हैं, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है।

अपील नागरिक वर्ष 2002 की निर्वाचक नामावली के आधार पर उपलब्ध कराएं जानकारी

निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करें नागरिक

मतदाता अंतिम तिथि का इंतजार न करके बीएलओ के पास गणना प्रपत्र जमा करें

- विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के 3 दिन शेष, 14 जुलाई है अंतिम तिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि जिन्होंने अभी तक अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वे बिना देरी किए इसे भरकर अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा करवाएं। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के समापन में अब केवल तीन दिन शेष हैं। डीसी ने कहा कि समय पर गणना प्रपत्र जमा करने से मतदाता के निर्वाचन रिकॉर्ड का सत्यापन सुगमता से हो सकेगा तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सकेगा। सभी पात्र मतदाता अपने वर्तमान मतदाता विवरण तथा आवश्यकता होने पर वर्ष 2002 की निर्वाचक नामावली अथवा संबंधित परिजन के विवरण के आधार पर निर्धारित जानकारी अवश्य उपलब्ध कराएं।

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाताओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन सर्च करने की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। मतदाता वर्ष 2002 की विशेष गहन पुनरीक्षण सूची में अपना नाम लिंक वोटर्स.ईसीआई.जीओवी.इन पर देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान मतदाता सूची में अपना नाम, ईपीआईसी नंबर अथवा अन्य विवरण के माध्यम से भी खोजा जा सकता है। डीसी ने कहा कि सभी पात्र मतदाता अभियान की अंतिम तिथि 14 जुलाई का इंतजार न करें और शीघ्र अपने गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं, ताकि जिला की निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित एवं नवीनतम बनाया जा सकें।

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा।